चतुर्थ सोपान, कार्यक्रम- 6

पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला

शिक्षा में साइबर सुरक्षा

(Cyber Security inEducation)

17-21 अगस्त 2020 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अंतर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा चतुर्थ चरण के कार्यक्रमों में '**शिक्षा में साइबर सुरक्षा**' विषय पर (छठा कार्यक्रम) पञ्चदिवसीय ऑनलाइन राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 17 से 21 अगस्त 2020 तक किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षा में साइबर सुरक्षा एवं सुरक्षित उपाय कौशलों, ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों के प्रयोग के सम्बन्ध में लाइसेंसिंग एवं कॉपीराइट की सम्प्रत्ययात्मक समझ में अन्तर्दृष्टि प्रदान करना और विविध शैक्षिक प्रक्रियाओं में साइबर सुरक्षा को प्रबन्धित करने सम्बन्धी कुशलताओं का विकास करना। ऑनलाइन कार्यशाला का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र का शुभारम्भ शिक्षण अधिगम केन्द्र की परियोजना अध्यक्ष **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** के स्वागत भाषण एवं कार्यशाला सन्दर्भ द्वारा किया गया। तदोपरान्त श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के माननीय कुलपति **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** द्वारा अध्यक्षीय उद्बोधन दिया गया तथा **प्रो. के भरत भूषण** (संकाय प्रमुख एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षा संकाय) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन से सत्र सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का क्रियान्वयन विशेष रूप से अभिकल्पित 30 सत्रों द्वारा किया गया जिसमें उद्घाटन सत्र, प्रबोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र एवं प्रश्नोत्तर, 05 स्वाभ्यास सत्र, 1 ऑनलाइन आकलन सत्र, 1 प्रतिपुष्टि सत्र, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र द्वारा किया गया। अन्तिम तिथि तक 347 प्रतिभागियों का पंजीकरण प्राप्त हुआ जिनमें से 262 को कार्यशाला हेतु आमंत्रित किया गया। वैसे 210 प्रतिभागियों ने अपने प्रतिभाग की पुष्टि प्रदान की लेकिन उनमें से 184 प्रतिभागियों ने कार्यशाला पूर्ण की और 26 प्रतिभागी अपने व्यक्तिगत कारणों से प्रतिभाग नहीं कर सकें। 184 प्रतिभागियों में से भारत के 20 राज्यों से 149 तथा 02 केंद्र शासित प्रदेशों से 35 प्रतिभागी रहे। 20 राज्यों के प्रतिभागियों में आंध्र प्रदेश से 07, असम से 03, बिहार से 09, छत्तीसगढ़ से 01, गोवा से 02, गुजरात से 02, हरियाणा से 17, झारखंड से 04, कर्नाटक से 04, मध्य प्रदेश से 03, महाराष्ट्र से 21, ओडिशा से 05, पंजाब से 03, राजस्थान से 17, तमिलनाडु से 07, तेलंगाना 03, त्रिपुरा 03, उत्तर प्रदेश से 24, उत्तराखंड से 04, पश्चिम बंगाल से 10 तथा 2 केन्द्र शासित प्रदेश में चण्डीगढ़ से 03 दिल्ली से 32 प्रतिभागी रहे। कार्यशाला विषय में निष्णात् देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के **पाँच विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में सभी तकनीकी सत्रों का संचालन किया गया। इन सत्रों में कार्यशाला के मुख्य विषय रहे यथा - शिक्षा में साइबर सुरक्षा: एक प्रस्तावना, ब्राउसर एवं ईमेल, सुरक्षित पासवर्ड निर्माण, वेब कांफ्रेसिंग उपकरणों के लिये साइबर सुरक्षा, विन्डोज् एवं स्मार्टफोन की मूलभूत सुरक्षा, सामाजिक मीडिया सुरक्षा, एन्टीवायरस में प्रयुक्त अनुप्रयोग सुरक्षा, डाटा एवं डॉक्यूमेन्ट्स सुरक्षा, डाटा रिकवरी उपकरण एवं क्लीनर, गूगल क्लाउड सुरक्षा हेतु उत्तम अभ्यास, ई-संसाधन के सम्बन्ध में कॉपीराइट एवं लाइसेंसिंग, अधिगम प्रबन्धन प्रणाली आधारित सुरक्षा एवं युक्तियाँ और साइबर सुरक्षा हेतु अभ्यास। ऑनलाइन बहुविकल्पीय प्रश्नाधारित परीक्षण भी प्रशासित किया गया जिसमें **79% प्रतिभागियों ने 60% से अधिक अंक** प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत **86%, 13%, 01% एवं 00%** क्रमश: श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यशाला के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक।** इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में **81% उत्कृष्ट, 17% अति उत्तम, 02% उत्तम एवं 00% संतोषजनक** प्राप्त हुई। समापन सत्र में परियोजना अध्यक्ष द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात् **प्रो. चांदकिरण सलूजा** (अध्यक्ष, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली) का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय** (कुलपति, श्रीला.ब. शा.रा.सं.वि.वि. नई दिल्ली) द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला समापनोपरान्त सफल वाले प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।